

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྟེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3MS261	ImageGroup:	I3MS308
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	མདོ་སྐད་དན་ཏིག་དགོན་གྱི་ཚོ་ཏན་སྒྲུབ་བར་བཞུགས་པའི་རྩེ་འཇིགས་མེད་རིགས་པའི་སློ་བློས་གྱི་ ཡུག་དཔེ་གལ་ཆེན་རྣམས་ཕྱོགས་གཅིག་ཏུ་བཀོད་པ། mdo smad dan tig dgon gyi tshe tan sgar bar bzhugs pa'i rje 'jigs med rigs pa'i blo gros kyi phyag dpe gal chen rnam phyogs gcig tu bkod pa/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	46
Total Volumes:	208
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Scanned in partnership with Tibetan Buddhist Resource Center, Cambridge, MA, USA. Comments: DPL480 RFP 85

७३। बुद्धाचारिणस्तु रम्यं विधेयं हि दूरं गच्छात्तर्कं शोचते न हि तस्मात्तु रं देवमदं पठेत्तस्मिन् सा लब्धा यत्र दवेता प्रपद्यते सा रं।





ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

ॐ । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं ।
 ॐ । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं ।
 ॐ । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं ।
 ॐ । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं । वल्लभं पुत्रं पुत्रं ।



ॐ वल्लभं पुत्रं पुत्रं ॥

ॐ वल्लभं पुत्रं पुत्रं ॥

[illegible]

५३२५

[illegible]

॥ अथ विष्णु स्तोत्रम् ॥

॥ यथा यथा ॥ यथा यथा ॥ यथा यथा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

229

四

[illegible]

221

[illegible]

UN

১৭৮৭

1921

[illegible]

42

[illegible]



10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

327

1

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाशपातप्रहारादिभिर्यत्किञ्चित्करिष्यामि । तदा कुरुष्व मे प्रभो । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

22

4746

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । वसुदेव उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः । ॥ १ ॥

202

630



५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

— 10 —

321

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवविदग्धशेषेण संपन्नं वासुदेवं वैरेक्यमात्मनश्चैव । प्रपद्ये मामहं ततो मया मुनिर्मुक्तः ।

ཐམས་ཅད་ན་ཡོད་པ་འི་སྒྲིལ་ན་པོ་འདི་གཏིན་ན་མས་ཐ་དད་པ་འི་སྒྲིལ་། འདི་གཏིན་གྱི་ཁམས་འཇམས་ཅད་གྲུབ་ལྟེ། ཅེ་ཅེ་འཇམས་པར་གྱུར་གྱུར་། དེ་པ་འི་ན་པོ་གསུངས་པས་གསུངས་པ་འི་གསུང་ནི་འདུལ་པ་འི་སྒྲིལ་ཅན་ན་མས་ལྟེ་ན་།

[illegible][illegible][illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.)

[illegible]

29

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

18

[illegible]

५५
 ५४
 ५३
 ५२
 ५१
 ५०
 ४९
 ४८
 ४७
 ४६
 ४५
 ४४
 ४३
 ४२
 ४१
 ४०
 ३९
 ३८
 ३७
 ३६
 ३५
 ३४
 ३३
 ३२
 ३१
 ३०
 २९
 २८
 २७
 २६
 २५
 २४
 २३
 २२
 २१
 २०
 १९
 १८
 १७
 १६
 १५
 १४
 १३
 १२
 ११
 १०
 ९
 ८
 ७
 ६
 ५
 ४
 ३
 २
 १

[illegible][illegible]

32

1905

[illegible]

三

253

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一

[illegible][illegible][illegible][illegible]

वि. २२. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

[illegible]

五

5/24/21

210

4

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

25/01/21

॥ १५ ॥

॥ १६ ॥

॥ १७ ॥

॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]



天

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

27

24



四

[illegible]

102

১৭৬৬

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

212

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

29

合

4

[illegible]

[illegible]

वेदपदा । प्रेसाकसविदविपिदश्रिषायेवहकदेवहुवकेसा । केसाश्रिकेगणतिगदेवहुरिरयतेसायहगसयरा । श्रुदगसुववसेयगादकदेसासायुववसवकदेसाश्रुदश्रुद । दहुरश्रुपयरीश्रुदकुवपदसयवेष
दगापदा । देसुषसपविपदेसहृदमश्रुदमेवहुयदे । इदश्रुदकगणायमेसाप्रवेगश्रुदहिसिदया । देसुदयमहुवकदेवहुरिरयतेसायहगसयरा । श्रुदगसुववसेयगादकदेसासायुववसवकदेसाश्रुदश्रुद । दहुरश्रुपयरीश्रुदकुवपदसयवेष
देसहृदगणतिगदेवहुरिरयतेसायहगसयरा । श्रुदगसुववसेयगादकदेसासायुववसवकदेसाश्रुदश्रुद । दहुरश्रुपयरीश्रुदकुवपदसयवेष
प्रेगयकदेवहुरिरयतेसायहगसयरा । श्रुदगसुववसेयगादकदेसासायुववसवकदेसाश्रुदश्रुद । दहुरश्रुपयरीश्रुदकुवपदसयवेष
कपदेमश्रुदयमहुवकदेवहुरिरयतेसायहगसयरा । श्रुदगसुववसेयगादकदेसासायुववसवकदेसाश्रुदश्रुद । दहुरश्रुपयरीश्रुदकुवपदसयवेष
यदेसुववसेयगादकदेसासायुववसवकदेसाश्रुदश्रुद । दहुरश्रुपयरीश्रुदकुवपदसयवेष

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

10

[illegible]

金

21/5/2014

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

44

३१

[illegible]

三

5/21/21

[illegible]

[illegible]

[illegible]



991

॥ अथ श्रीगणेशोत्तराष्ट्रस्तोत्रम् ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



金

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

252

九

四

[illegible]

4

4

[illegible]

26

庚

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

1000

九

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

20



四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

荷葉 卷之三

[illegible]



卷之四

A

[illegible]

[illegible]

256

卷之四

1

[illegible]

[illegible]

१२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०

卷之六

卷之四

98

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



22

உயர்தரம்

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

40

[illegible]

[illegible]

22

卷二

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

192

[illegible]

45

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



अभिज्ञा

1921

[illegible]

29

कालिका

4

[illegible]



शुद्धि

अथर्ववेदः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

13

[illegible]

नमोऽस्तुते

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

45

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

序

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पुष्पिका

[illegible]

[illegible]

[illegible]



49

454

25

2017

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ कथयामास पद्मिनी कथं ब्रह्मदेवः परमावतारं पद्मिनी ॥ देवस्य गणपतयः सर्वे सन्ति देवाः ॥ अथ कथयामास पद्मिनी कथं ब्रह्मदेवः परमावतारं पद्मिनी ॥ देवस्य गणपतयः सर्वे सन्ति देवाः ॥ अथ कथयामास पद्मिनी कथं ब्रह्मदेवः परमावतारं पद्मिनी ॥ देवस्य गणपतयः सर्वे सन्ति देवाः ॥

[illegible]

1972

五

一

[illegible]

[illegible]

1927

4571

大

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याय्ये षष्ठोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

△

卷之四

॥५॥

[illegible]

100

▲▲▲

[illegible]

9

सर्वज्ञानसिद्धिः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

九

10

[illegible]

29
41
45
60
41
62
24
41
44
41

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

५
६
७
८
९
१०
११
१२

॥ सदसक्तु सत्तेस नदुपयरे सो मस ठदुन विग स दु सो मस ठदुन विग गी दे वरु व सु प य व दे र उ वे द यी य द व दे र उ वे द य र श्री व अ सु द न ठे ग नी स व वु न स द म द र व वि व न मे क म य री य
प मी य दे व मी य र वि द सु न स प मी य दे व मी य र ह्ये ग द व न दे य द मी य स नदुपयरे दु स प स मी य र द य र द ग द व न ठे ग नी स प मी य र स
म द सु य मी य र म स र सु र पु न य री सु ठे य म द र य र ह्ये व नी स य न्न व ह व वु न स क र ॥ सदसक्तु स य ठे म प द न द स द म स प मी य र ह्ये ॥ र दे म र सो म स ठ व नी प म स म स ठ द म स र नी स री म य स सदसक्तु स
नी स नदुपयरे ग द व न गी दे वरु य र स सु व सु द य म द र य म द र के य ह्ये ॥ र दे वे सदसक्तु स य ठे म प द न द स द म स नी स र के व य स म द र य म र य री के स प य री वि स र द ॥ र व सो र म स म द र य र स सु
सु र य री ग वि य दे र नी कु प य री ह्ये ग य म स ॥ पु री द य र य म द र ग य र ह्ये ग स य री सदसक्तु स वे ॥ र दे वे द यी य व ह व री य के री ॥ पु र ग द स सु सु र य री ॥ पु री द य र य म द र ग य र ह्ये ग स य री सदसक्तु स द म स
के र दे वे द यी य व स य म द र ग य र ह्ये ग स य री ॥ पु री द य र य म द र ग य र ह्ये ग स य री ॥ सदसक्तु स य ठे म प द न द स द म स वे सु र य र के र दे वे द यी ॥ सदसक्तु स य ठे म प द न द स

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ਅੰਤਰਿਕਸ਼ਿਕਾ

[illegible]

[illegible]

[illegible]



卷之四

सर्पकथा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪ੍ਰਾਚੀਨ 'ਦਰ' ਪ੍ਰਕਾਸ਼

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

१२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ऋषिर्वासीश्वर उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धे आसीत्पश्यन्तः पाण्डवस्य सैन्यम् । द्रुपदो वीराणां प्रमुखस्तदा उवाच ॥
 पश्यैतां महाबाहो यानि शूराणि कृतवान् । तेषामस्माकं पुरोगमिनो बभूवुः ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकायास्तु पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जन ॥
 सुकर्णो द्रुपदो विप्रश्चक्रवर्ती विशलः ॥ १ ॥ भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युः विक्रान्तः ॥
 धृष्टकेतुश्चेकितानः कौरवस्य महारथजः ॥ २ ॥ द्रुपदश्चाभीरुश्चैव पाण्डवबलमान्नृपः ॥
 ३ ॥ युयुत्सुश्छालश्चैव द्रुपदश्चैव पाण्डवसेना ॥ ४ ॥ भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युः विक्रान्तः ॥
 धृष्टकेतुश्चेकितानः कौरवस्य महारथजः ॥ ५ ॥ द्रुपदश्चाभीरुश्चैव पाण्डवबलमान्नृपः ॥
 ६ ॥ युयुत्सुश्छालश्चैव द्रुपदश्चैव पाण्डवसेना ॥ ७ ॥ भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युः विक्रान्तः ॥
 धृष्टकेतुश्चेकितानः कौरवस्य महारथजः ॥ ८ ॥ द्रुपदश्चाभीरुश्चैव पाण्डवबलमान्नृपः ॥

[illegible]

29

卷之四

▲

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

2001

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

२५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

७७। — । मर्षोऽपरपदगदद । धुवयवेदऽपरपदगदद । हृवऽपरपदगदद । मधकऽपरपदगदद । देदगणीयेदसुदेदद । येदसु सुसुदयचदठि । येदयदेदगददसुमदऽपरपदगदद ।
 ७७२। ७७३। ७७४। ७७५। ७७६। ७७७। ७७८। ७७९। ७८०। ७८१। ७८२। ७८३। ७८४। ७८५। ७८६। ७८७। ७८८। ७८९। ७९०। ७९१। ७९२। ७९३। ७९४। ७९५। ७९६। ७९७। ७९८। ७९९। ८००। ८०१। ८०२। ८०३। ८०४। ८०५। ८०६। ८०७। ८०८। ८०९। ८१०। ८११। ८१२। ८१३। ८१४। ८१५। ८१६। ८१७। ८१८। ८१९। ८२०। ८२१। ८२२। ८२३। ८२४। ८२५। ८२६। ८२७। ८२८। ८२९। ८३०। ८३१। ८३२। ८३३। ८३४। ८३५। ८३६। ८३७। ८३८। ८३९। ८४०। ८४१। ८४२। ८४३। ८४४। ८४५। ८४६। ८४७। ८४८। ८४९। ८५०। ८५१। ८५२। ८५३। ८५४। ८५५। ८५६। ८५७। ८५८। ८५९। ८६०। ८६१। ८६२। ८६३। ८६४। ८६५। ८६६। ८६७। ८६८। ८६९। ८७०। ८७१। ८७२। ८७३। ८७४। ८७५। ८७६। ८७७। ८७८। ८७९। ८८०। ८८१। ८८२। ८८३। ८८४। ८८५। ८८६। ८८७। ८८८। ८८९। ८९०। ८९१। ८९२। ८९३। ८९४। ८९५। ८९६। ८९७। ८९८। ८९९। ९००। ९०१। ९०२। ९०३। ९०४। ९०५। ९०६। ९०७। ९०८। ९०९। ९१०। ९११। ९१२। ९१३। ९१४। ९१५। ९१६। ९१७। ९१८। ९१९। ९२०। ९२१। ९२२। ९२३। ९२४। ९२५। ९२६। ९२७। ९२८। ९२९। ९३०। ९३१। ९३२। ९३३। ९३४। ९३५। ९३६। ९३७। ९३८। ९३९। ९४०। ९४१। ९४२। ९४३। ९४४। ९४५। ९४६। ९४७। ९४८। ९४९। ९५०। ९५१। ९५२। ९५३। ९५४। ९५५। ९५६। ९५७। ९५८। ९५९। ९६०। ९६१। ९६२। ९६३। ९६४। ९६५। ९६६। ९६७। ९६८। ९६९। ९७०। ९७१। ९७२। ९७३। ९७४। ९७५। ९७६। ९७७। ९७८। ९७९। ९८०। ९८१। ९८२। ९८३। ९८४। ९८५। ९८६। ९८७। ९८८। ९८९। ९९०। ९९१। ९९२। ९९३। ९९४। ९९५। ९९६। ९९७। ९९८। ९९९। १०००।

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

4



वृद्धिर्दिशति।

बद्धबाह्य

[illegible]

270

卷之五

44

[illegible]

呼哈喇

[illegible]

卷之四

[illegible]

4



9

22

19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

△

201

[illegible]

ब्रह्मसिद्धि का प्रमाण

[illegible]

[illegible]

पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

[illegible]

[illegible]

202

卷之六

△

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

三

ग्रीष्म

[illegible]

[illegible]

[illegible]



291

[illegible]

卷之五

△

2

[illegible]

33/

[illegible]

古今圖書集成

[illegible]

卷之六

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之三

[illegible]

[illegible]

1947

सङ्क्षेपवर्णिका

▲

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

德金

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया
 संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ३ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥
 त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ४ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥
 त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ५ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥
 त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ६ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥
 त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ७ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥
 त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ८ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥
 त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥ ९ ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया संभूतः सदा मुनिर्मान्धितानामाश्रितः ॥

[illegible]

सुखदुःख

日長

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



49

九

3

2

[illegible]

卷之四

[illegible]



卷之四

श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

42

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

金

152

[illegible]

4

391

卷之四

ना भिन्नम्

五
卷
之
一

[illegible]

५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



22

पुस्तकालय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



545

श्री १७७५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

五

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं भूयान्मां प्रपन्नम् ॥ अस्मिन्महासंग्रामे त्वं भव मे प्रहाराय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं भूयान्मां प्रपन्नम् ॥ अस्मिन्महासंग्रामे त्वं भव मे प्रहाराय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं भूयान्मां प्रपन्नम् ॥ अस्मिन्महासंग्रामे त्वं भव मे प्रहाराय ॥ १ ॥

सङ्क्षेपम् ॥ १०२ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

55

[illegible]

卷之五

[illegible]

सुखं भुङ्क्ते भवः कथम्

[illegible]

219

22

21

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

26

24

三

[illegible]

১৩৫৬-১৩৫৭

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

吳郡吳縣人

[illegible]

足器酒 金

[illegible]

[illegible]

五

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1912



五

吳

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]



221

41

4

2

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

五
三
二

[illegible]

पञ्चमः सुखविशेषः

[illegible]

۱۱

99

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20



430

1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

身要面氣順

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

219

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभक्त्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशभक्त्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णुभक्त्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवभक्त्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्मभक्त्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहादेवभक्त्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणभक्त्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ २० ॥

五
三
二
一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महोदयः श्री. कृष्णदेवराय

[illegible]

[illegible]

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

21

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

卷之四

[illegible]

A 1991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五言古詩

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

254



11

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदपि कुरुष्व भगवन् तत्सर्वं भवति मे ॥ १० ॥

23

34055

[illegible]

是爲國之計也

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

品 2. 6 分 正 身 書 2.

[illegible]

25. 26. 27. 28. 29. 30.

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

五公會館

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

凡此各處皆有

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

55

45

五

三

[illegible]

4

2

5

四



公

[illegible]

229

১৮৮৫

三

[illegible]

[illegible]

PLATE 10

[illegible]



150

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is transcribed from the manuscript page shown above.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

人倫道義

[illegible]

[illegible]

128. 149. 150. 151. 152.

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

人金銀錢

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय । ॥ १ ॥

240

2012

4

23

[illegible]

[illegible]

9

金匱要略

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

卷之六

[illegible]

分

4



20

2

231

[illegible]

[illegible]

44

ac

[illegible]

[illegible]

外傳 卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

王世貞

[The text in this block is extremely faint and mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷之四

[illegible]

2015年12月14日

[illegible]

凡金匱要略

391

[illegible]

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

吳昌碩

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

品類圖

[illegible]

[illegible]

[illegible]

學後錄

[illegible]

[illegible]

[illegible]

THE
COLLEGE
OF
LIBRARY
SCIENCE

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

4

17

192

24

4



200

संज्ञा

715012

242

378

दस्तावेज

1920

72

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

2

卷之八

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

元龜集卷之七

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

सुखदुःखसंज्ञायाः प्रमाणं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

古今圖書集成

[illegible]

三才圖會

[illegible]

सिद्धिद्वयसिद्धिः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

皇朝通志

[illegible]

सुखदुःखसंज्ञा

[illegible]

[illegible]

4

991

102



4

10

2

[illegible]

[illegible]

पञ्चमः अध्यायः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

40

19

全

三

[illegible]

49

4

44

5



189

द्वयविक्रम

सुख'य'ल

1951

कृपय

वसुधैव कुटुम्बकम्

10

[illegible]

五言集卷之六

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

五穀豐登

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

吳郡太守

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১৮৮৬ খ্রিঃ ১২/১২/৮৬

[illegible]

[illegible]

1984

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

吳江縣志

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

卷之四

[illegible]

大德二年

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

2

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय

યેજેસારેરયેકે ॥ યદેવરણજેજસાવપુજામર્કયામે ॥ યેવેકવગુવગ્રેરુદુરણવસાધકે ॥ રિણસુજસાવદેવકુદિવપ્રજવસાધક ॥ ગપુરુદુરણવદાકેસાધકે ॥ ગુવકેજસોવકુદિવપુજામર્કયામે ॥ દુગપરવકેપ્રવકુદરસાધક ॥
 ગવિજસા ॥ સુરકુવસોવસાધકેજસાધુરકેજસાધુ ॥ સુવસુવસાધકાવપરણવસા ॥ યદવકરકેજસાધુજામર્કયામે ॥ વિસદા ॥ સુવરસાધકિજસાધકાવદસીજસાધક ॥ દેવકેરકેવસાધક ॥ યરકેરકેવસાધક ॥ દેવકેરકેવસાધક ॥
 ગવકાવસાધક ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥ ગદાવરકેજસાધક ॥ સુવરકે ॥ સુવકેવકેરકેરુદુરણવકે ॥ દેવકેરકેવકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥ ગદાવરકેરકેરુદુરણવકે ॥
 ગસેરકેરકેરુદુરણવકે ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરકે ॥ સુવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥
 ગદુરકેરુદુરણવકે ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરકે ॥ સુવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥
 યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥ યદવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરકે ॥ સુવકેરકેરુદુરણવકે ॥ સુવરસાધકિજસાધક ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

金剛經疏

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पुष्पक

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

見昌黎先生集

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

25

2

△△△

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]



पञ्चमस्तु

[illegible]

△

212

《

53

五

[illegible]

[illegible]

१३. श्रीमद्भक्तिकृत्योत्तराष्टकम्

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

2021



2

44



四

[illegible]

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

朱子語類

[illegible]

[illegible]

24

991

|པ་དང་། ལྷ་བ་ཐམས་ཅད་ཡོད་ས་སུ་གྱུ་བ་དང་ལ་ཁུམ་པ་མེད་པ་དང་། བསམ་པ་དང་ལས་སེམས་རྟོག་པ་མེད་པ་དང་། རྩོད་པ་མེད་ས་ཅད་རྒྱུ་མ་གཤིན་རྟོག་པས་ལུས་ཡོད་ས་སུ་དཀ་པ་དང་། དེས་འགྲུབ་པ་ཞེས་བློར་

[illegible]

491

[illegible]

2

[illegible]

4

[illegible]

三

६८१ शोखरिब्रह्मचरिद्वन्द्वकृत्तयस्यदीपविकृत्यास्यदद। श्रीगुरुण्यपुत्रविश्वप्रद्वन्द्वचरिष्टिरुद्रकुलवेद्ययुक्तयदद। तुरद्वैकर्षकास्यपवित्रुम्भप्रद्वन्द्वचरिष्टिरुक्ताप्रमासठरदद। कल्पयवेद्ययदद। नयनस्यदिर्घः

2

[illegible][illegible]

足金銀器

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

229

५३

19

2

四

[illegible]

4

19



55

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



194

22

9.

4

598

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

A. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 84

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ।

卷之四

[illegible]

身之爲道

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पापं कुरुष्व मे न प्रहृष्टः । शत्रून् हतान् द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । इति विसृज्य स्वशरीरं । अर्जुन उवाच । मया धर्मो रक्षितः । पापं कुरुष्व मे न प्रहृष्टः । शत्रून् हतान् द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । इति विसृज्य स्वशरीरं । अर्जुन उवाच । मया धर्मो रक्षितः ।

[illegible]

[illegible]

是書也

[illegible]

二、三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

[illegible]

बभ्रुवद्वयः कर्णौ चेतुर्द्वयः त्रिदशैव

[illegible][illegible]

